Devamatha
CMI PUBLIC SCHOOL CBSE & CBSE INTERNATIONAL, CBSE NEW GENERATION SCHOOL
(Affiliated to CBSE, Delhi Code No: 930468) Patturaickal, THRISSUR-680 022, Kerala Ph: 0487-2321144
E-mail :office@devamatha.com www.devamatha.com

DEV/ACD/FMT/150/R0

VACATION ASSIGNMENT STD. III 2016 - 2017

- Learn five quotes from Holy Scriptures.
- Compulsory reading of English and Malayalam newspapers.
- Grow a plant in a plastic bottle and record its development.
- Practice MS-Paint.

Talent's Fest Activities for 2017-18

Malayalam

* Recitation (5 min.)
* Elocution (5min.) - Topic : കുടുംബം

English

* Recitation (5 min.)
* Elocution (5 min.) - Topic : Why I like to Read
* Story Telling (5 min.)

Hindi

* Recitation (5 min.)
* Elocution (5 min.) - Topic : समय का महत्व

*** Note : The above items will be considered as an evaluation for Talent's Fest Selection round. Students may learn the matter given or any of their own.**

Co-ordinator	Principal

"The day that you have not done any good to the other will not be counted in the book of your life." St. Chavara

P.T.O.

FOR RECITATION
STD. III

അച്ഛൻ

ഉത്സവം കാണുവാൻ ഉണ്ണിപോയി
അച്ഛനോടൊപ്പം അന്നാദ്യമായ്
മത്താപ്പു പൂക്കുറ്റി പമ്പരങ്ങൾ
ഉണ്ണിയ്ക്കതൊക്കെയും മോദമായി
ലഡുജിലേബി ഐസ്ക്രീമുമുണ്ടെ
ഉണ്ണിക്കു വായിൽ കൊതി നിറഞ്ഞു
പമ്പരം വേണം ഐസ്ക്രീമും വേണം
യന്ത്രയൂഞ്ഞാലിൽ കറങ്ങിടേണം.
ഉണ്ണിയ്ക്കു ശാഠ്യമായ് അച്ഛനോതി
പിന്നെയാകാം ഇപ്പോൾ കാഴ്ച കാണാം
പൂരത്തിരക്കിൽ വിരൽ വിട്ടുപോയി
ഉണ്ണിയും അച്ഛനും വേർപിരിഞ്ഞു
അച്ഛനെ കാണാതലഞ്ഞുലഞ്ഞ്
ഉൾതടം വിങ്ങി കരഞ്ഞിടുമ്പോൾ
കരയുവാൻ കാരണം ചോദിച്ചോരാൾ
പരിചയമില്ലെലും അലിവിയനോൽ
കുഞ്ഞിൻ കരച്ചിൽ നിലച്ചതില്ല
സാന്ത്വന ചോലയിൽ നീർ നിറഞ്ഞു
പമ്പരം വാങ്ങാം അയാൾ പറഞ്ഞു
യന്ത്രയൂഞ്ഞാലിൽ ഇരുത്തിടാം ഞാൻ
വേണ്ടെനിക്കൊന്നും കരഞ്ഞുവീണ്ടും
ഉണ്ണിയ്ക്കു പിന്നെന്തു വേണമെന്നായ്
ചോദിച്ചു തീരുമ്പോൾ ഉണ്ണിയോതി
അച്ഛനല്ലാതെ എനിക്കൊന്നും വേണ്ട
ഉച്ചത്തിൽ ഉണ്ണി നിലവിളിച്ചു
അച്ഛനല്ലാതെ എനിക്കൊന്നും വേണ്ട
ആൾത്തിരക്കിൽ പെട്ടൊരുണ്ണിതൻ അച്ഛനെ
തേടുവാൻ കൂടുവിൻ കൂട്ടുകാരേ.

– മണമ്പൂർ രാജൻ ബാബു

मेरा नया बचपन

बार -बार आती है मुझको,
मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया तू जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।
चिंता रहित खेलना खाना,
वह फिर निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भुला जा सकता है,
बचपन का अतुलित आनन्द ।
रोना और मचल जाना भी,
क्या आनन्द दिखलाते थे,
बडे-बडे मोती -से आँसू,
जयमाला पहनाते थे —— सुभद्रा कुमारी चौहान

ADVICE TO LITTLE CHILDREN

Bless those little children
that love to go to school;
Blessed be the children
that obey the golden rule.
Children, love your parents
for they have cared for you;
When you were little infants,
they watched and prayed for you.
Love your little school-mates,'
be gentle in your play,
be kind to your teachers
and their commands obey.
Oh! then you will be happy
in the bright world to come,
for them your friends will love you
forever, little ones.

__Julia A Moore

FOR ELOCUTION

STD. III

समय का महत्व

समय बीत जाने पर, तुम बहुत पछताओगे।

इतना अच्छा समय भला, तुम दोबारा कब पाओगे।

व्यर्थ बिताया गया समय, भला कौन कहाँ कब पाता है ।

इतना कहते हुए मैं अपने विषय पर आता/ आती हूँ। "समय का महत्व"

समय प्रकृति की अमूल्य भेंट है। यह एक ऐसा अनमोल धन धन है कि जिसके सहारे मनुष्य अपने जीवन में सब कुछ पा सकता है। समय की प्रकृति सदा आगे बढने की होती है। अतः जो इसके साथ चलता है वही सफल होता है। समय है तो जीवन है, अगर समय नहीं है तो जीवन भी नहीं है। किसी भी काम में समय न मिलने का बहाना वे ही लोग बनाते हैं, जो इसके महत्व को नही समझते। एक क्षण की देरी सफलता से हमें असफलता की ओर ले जाती है। अतः किसी भी कार्य का उचित समय में किया जाना ही फलदायी होता है। संत कबीर ने तो यहाँ तक कहा है ।

काल्ही करै सो आज कर आज करै सो अब।

पल में परलै होएगी, बहुरि करेगा कब।।

समय पर किसी का अधिकार नहीं होता । बीता समय कभी लौटकर नहीं आता। इसलिए इस अनमोल वरदान का उपयोग करने में ही बुद्धिमानी है। महापुरुषों के जीवन हमें यही समझाती है। गाँधी जी, नेहरुजी, विवेकानंद जैसे महान व्यक्तियों ने एक पल के लिए भी अपने समय का दुरुपयोग नहीं किया। समय का सदुपयोग ही जीवन की सबसे बडी तपस्या है ।

कुछ दिनों के निरंतर अभ्यास से हमें समय का उचित उपयोग करने की आदत पड जाएगी और हमें जीवन को सफल बनाने की कुंजी मिल जाएगी। समय का विभाजन कर हम अध्ययन, व्यायाम, मनोरंजन आदि अनेक कार्य सरलतापूर्वक कर सकते है ।

अपने समय का सदुपयोग किये बिना कोई भी व्यक्ति महान नहीं बन सकता। विकास की राह में समय की बरबादी ही सबसे बडा शत्रु है। एक बार हाथ से निकला हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। समय का उपयोग धन के उपयोग से कही अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि हम सभी की सुख सुविधा इसी पर निर्भर है।

चाणक्य के अनुसार -जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता, उसके हाथ असफलता और पछतावा ही लगता है। समय तो उच्चतम शिखर पर पहूँचने की सीढी है।

ये कहना अतिशयोक्ति न होगी कि, समय और सागर की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती। हमारा कर्तव्य है कि हम समय का पूरा-पूरा उपयोग करें। ●

WHY I LIKE TO READ

"Books give a soul to the universe, wings to the mind, flight to the imagination and life to everything." Good reading habit acts as a strong weapon for students to excel in life. Just like any other muscle in the body, brain requires exercise to keep it strong and healthy.

Reading allows us to enter into new world and new life. Reading increases our vocabulary, leadership qualities; improves our communication, focus and concentration. It reduces stress, makes us smarter and generates self esteem.

Reading a book can carry to distant lands even without tickets and passports. It can serve as a great guide for life time. As the legend Dr. APJ Abdul Kalam quotes " One best book is equal to hundred good friends but one good friend is equal to a library."

●